

म्हारी सांवरे स्यूं लागी प्रीत जूलमण ना छूटै



म्हारी सांवरे स्यूं लागी प्रीत,
जूलमण ना छूटै lbd।

तर्ज - बालम छोटो सो।

मिलतो जुलतो रे,
पैल्यो चाव स्यूं,
अब कर ली खोटी नीत,
जूलमण ना छूटै lbd।

पीऊ पीऊ बोलै रे,
मन रो मोरियो,
तन्नै डीकै मन रा मीत,
जूलमण ना छूटै lbd।

पीड़ पराई रे,
दूजो काई जाणै,
म्हां रै हिवडै रा संगीत,
जूलमण ना छूटै lbd।

प्रेम गली छै रे,
रसिया सांकली,
काई जाणू इण री रीत,
जूलमण ना छूटै lbd।

नेणां मांही रे,
बस गयो सांवरो,
म्हां नै नींद ना आवै मीत,
जूलमण ना छूटै lbd।



“बाबा श्याम थां रै नाम री,
आ धुन मीठी लागी,
धुन मीठी लागी,
म्हां रै हिवडै नै भाग्यी,
बाबा श्याम थां रै नाम री,
आ धुन मीठी लागी”

क्यों दिण घालै रे,
आ ज्या तावलो,
म्हां री हार हुई थां री जीत,
जूलमण ना छूटै lbd।

चाकर थां रो रे,
‘शिव’ नै जाण कै,
थूं मत होज्ये विपरीत,
जूलमण ना छूटै lbd।

म्हारी सांवरे स्यूं लागी प्रीत,
जूलमण ना छूटै lbd।

गायक – श्रीसज्जन जी सिंघानिया (कोलकाता)
Upload By – Vivek Agarwal
9038288815
